

पृथ्वी और सूर्य से देखी गई स्थितियों का महसूस किया जाने वाला अंतर।

वार्षिकी स्त्री. (तत्.) 1. प्रतिवर्ष दी जाने वाली वृत्ति या अनुदान 2. किसी दिवंगत व्यक्ति की पुण्यतिथि पर प्रतिवर्ष होने वाला स्मृति-कार्यक्रम, कार्य, कृत्य, बरसी 3. किसी देश, अनुशासन, विधा, भाषा या विश्व का विशेष प्रकार का वर्ष भर का विवरण देने वाला ग्रंथ।

वार्ष्णेय सं.पुं. 1. वृष्णि का वंशज, वृष्णिवंशी 2. कृष्ण, वसुदेव पुत्र।

वालंटियर पुं. (अं.) 1. निःस्वार्थ लोक-सेवा करने वाला व्यक्ति, स्वयंसेवक 2. सेना का अवैतनिक सिपाही, अवैतनिक अफसर।

वालधि स्त्री. (तत्.) 1. पूँछ के बाल 2. पूँछ।

वाला पुं. (अर.) 'प्रत्यय' 1. किसी संज्ञा शब्द के अंत में जुड़कर शब्द बनाने वाला प्रत्यय, यथा, दुकानवाला, पंजाब वाला आदि 2. किसी क्रिया के अंत में जुड़कर उसके कर्ता का बोध कराने वाला संबंध सूचक प्रत्यय, यथा जाने वाला, हँसने वाला आदि।

वालिद पुं. (अर.) पिता, बाप।

वालिदा स्त्री. (अर.) माता, जननी।

वालिदैन पुं. (अर.) माता-पिता, माँ-बाप।

वालिबाल स्त्री. (अं.) 1. जाल या नैट, बीच में लगाकर दो टीमों द्वारा खुले मैदान में या स्टेडियम में खेले जाना वाला एक खेल, जिसमें बड़ी गोल गेंद को हाथों से मार कर दूसरे पाले में डाला जाता है 2. इस खेल में जिस गेंद से खेला जाता है, उसे भी वालीबाल कहा जाता है।

वाल्कल वि. (तत्.) 1. वृक्ष की छाल से बना हुआ या निर्मित 2. वृक्ष की छाल से तैयार एक विशेष कपड़ा।

वाल्मीकि पुं. (तत्.) 1. रामायण के रचयिता तथा आदिकवि 2. एक भृगुवंशी मुनि।

वाल्मीकीय वि. (तत्.) 1. वाल्मीकि-संबंधी, वाल्मीकि का 2. वाल्मीकि विरचित, वाल्मीकि कृत, यथा "वाल्मीकि-रामायण"।

वाल्व पुं. (अं.) एक ऐसा लघु उपकरण जो गैस, भाप या द्रव्य का प्रवाह एक ही दिशा में करने या भेजने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। यह एक ही ओर खुलता भी है।

वावदूक पुं. (तत्.) 1. श्रेष्ठ वक्ता, वाग्मी 2. बातूनी, बकवास करने वाला।

वावेला पुं. (फा.) 1. रोना-धोना, रोना-पीटना, उच्च स्वर में विलाप 2. शोर, कोलाहल, हल्ला 3. हाहाकार, चीत्कार।

वाश-बेसिन पुं. (अं.) हाथ-धोने, कुल्ला करने के लिए चीनी मिट्टी या काँच का बना हुआ एक पात्र, प्रक्षालन-पात्र।

वाशर पुं. (अं.) 1. प्रक्षालक, धोने वाला या धोने का उपकरण 2. नल या पाइप से टपकते या चू रहे पानी को रोकने के लिए प्रयुक्त होने वाला रबड़ या धातु का छल्ला।

वाशिष्ठ पुं. (तत्.) 1. एक उपपुराण 2. वि. वशिष्ठ-संबंधी, वशिष्ठ का या वशिष्ठ विषयक।

वाष्प पुं. (तत्.) 1. भाव 2. आँसू।

वाष्प दाब पुं. (तत्.) जल के ऊपर की भाप का वह दाब या दबाव जो किसी विशेष ताप-स्तर के ऊपर बनता है।

वाष्पस्नान पुं. (तत्.) पानी की भाप से किसी अंग विशेष या सम्पूर्ण शरीर को भिगोने, डुबोने की क्रिया।

वाष्पीकरण पुं. (तत्.) 1. भाप बनने की क्रिया, भाप बनना 2. किसी पदार्थ का ठोस या द्रव रूप से वाष्प या गैसीय रूप में परिवर्तन।

वाष्पोत्सर्जन पुं. (तत्.) 1. वाष्प त्यागना, भाप छोड़ना 2. जीवित पौधों, पत्तियों आदि का गंध-विशेष को छोड़ना 3. चेतन पेड़-पौधों द्वारा आकाशीय भागों से जल का वाष्प रूप में उड़ना।